MS – 126

M.E.S. COLLEGE LIBRARY, BENGALURU

IV Semester B.Sc. Examination, May 2016
(Freshers) (CBCS) (2015-16 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – IV
Hindi Khandkavya, Nibandh and Translation

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक शब्द** या **वाक्य** में लिखिए। **(10×1=10)**

1) एकलव्य के पिता कौन थे ?
2) अर्जुन किसके श्रेष्ठ शिष्य थे ?
3) एकलव्य किस जाति का था ?
4) जाति-पांति के विष का बीज किसने बोया ?
5) एकलव्य के अनुसार गुरु किसके समान है ?
6) कुत्ते के भौंकने को बन्द करने के लिए एकलव्य ने कितने बाण चलाये ?
7) 'एकलव्य' खण्ड़काव्य के कवि कौन हैं ?
8) अश्वत्थामा को दूध के नाम पर क्या पिलाया गया ?
9) एकलव्य ने गुरु चरणों पर क्या समर्पित किया ?
10) द्रोणाचार्य का अपमान किसने किया था ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) गुरु शिष्य सम्बन्ध,
राष्ट्र की रम्य रीढ़ है।
इस पर विश्व विकास,
वज्र से भी यह दृढ़ है।।

2) अच्छा बेटा ! गाय तुम्हारे लिए,
सुबह लाऊंगा।
दुग्ध पिलाकर गो माता का
तृप्ति बहुत पाऊंगा।।

3) वीर, धनुर्धारी बनने का,
सपना है करना साकार।
यही लक्ष्य मेरे जीवन का
श्वान-वेध का यह आधार।।

P.T.O.

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(1×16=16)**

1) 'एकलव्य' खण्ड़काव्य के आधार पर कवि के इस विचार का समर्थन कीजिए कि ''छुआछूत की समस्या समाज के लिए एक अभिशाप है। इस सामाजिक संकीर्णता का शमन आवश्यक है।''

2) 'एकलव्य खण्ड़काव्य का सारांश विशेषताओं के साथ अपने शब्दों में लिखिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2×5=10)**

1) एकलव्य का अंगूठा काटकर देने का दृश्य ।

2) अश्वत्थामा।

3) हिरण्यधनु–एकलव्य संवाद।

V. किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए। **(1×10=10)**

1) भारतीय संस्कृति।

2) हरित–क्रांति।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **10**

By the vedas no books are meant. They mean the accumulated treasury of spiritual laws discovered by different persons in different times. Just as the laws of gravitation existed before its discovery and would exist if all humanity forgot it, so it is with the laws that govern the spiritual world.

ವೇದಗಳು ಎಂದರೆ ಯಾವ ಪುಸ್ತಕಗಳಿಗೂ ಅನ್ವಯಿಸುವುದಿಲ್ಲ. ಅವು ಬೇರೆ ಬೇರೆ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು, ಬೇರೆ-ಬೇರೆ ಕಾಲಗಳಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಹಿಡಿದ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ನಿಯಮಗಳ ಭಂಡಾರ. ಗುರುತ್ವಾಕರ್ಷಣ ನಿಯಮ ಹೇಗೆ ಅದನ್ನು ಕಂಡು ಹಿಡಿಯುವ ಮೊದಲು ಇದ್ದಿತೋ ಹಾಗೂ ಮುಂದೆ ಮಾನವನು ಮರೆತರೂ ಇದ್ದೇ ಇರುತ್ತದೆಯೋ, ಹಾಗೆಯೇ ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಜಗತ್ತನ್ನು ಆಳುತ್ತಿರುವ ನಿಯಮಗಳು ಸಹಾ ಇದ್ದೇ ಇರುತ್ತವೆ.